



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 123]
No. 123]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 29, 1982/आषाढ़ 8, 1904
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 29, 1982/ASADHA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियमन

सार्वजनिक सूचना सं० 33 आईटीसी (पीएन)/82

नई दिल्ली, 29 जून, 1982

विषय:—विदेश में प्रदर्शनों के लिए हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात
नियम द्वारा स्वर्ण आभूषणों/वस्तुओं का निर्यात

(निर्देश सं० -6/182/81पीसी--1982-83 के दौरान वाणिज्य
मंत्रालय द्वारा अनुमोदित और मध्य पूर्वी देशों (अरब और खाड़ी के
देशों) में लगाई गई प्रदर्शनियों में हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात नियम
नई दिल्ली द्वारा यित्री के लिए स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं के निर्यात
और प्रतिपूर्ति के रूप में सोने के आयात के लिए योजना इस सार्वजनिक
सूचना के लिए अनुबंध में दी गई है।

रोमा मजुमदार, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

सार्वजनिक सूचना सं० 33 आईटीसी/(पीएन) 82,
दिनांक : 29-6-1982 के लिए अनुबंध

1982-83 के दौरान मध्य पूर्वी देशों (अरब और खाड़ी के देशों
में लगाई जाने वाली अनुमोदित प्रदर्शनियों में हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात
नियम, भारत लि० द्वारा यित्री के लिए स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं
के निर्यात के लिए योजना।

इस योजना के अधीन केवल स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968
यथापरिभाषित स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं (सिक्कों को छोड़कर) के
निर्यात के लिए अनुमति प्रदान की जाएगी। निर्यात के लिए सर्व
0.5833 शुद्धता के स्वर्ण में कम की नहीं होनी चाहिए जो 14 कैरट
के समरूप है।

2. निर्यात हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात नियम या इनके
संशोधनों द्वारा किया जाएगा। पाठ सहयोगी निम्नलिखित श्रेणियों के व्यक्ति
होंगे जिनके पास स्वर्ण निर्यात कानून के प्रचीन बंध व्यापारी साक्ष्य
होंगे :—

- (1) रत्न आभूषण निर्यात संबंधित परिवर्ष द्वारा जारी किए गए
बैंच पंजीकरण प्रमाणपत्र रखने वाले पेशेवर निर्यात ;
- (2) प्रमाणित स्वर्णकारों की सहायता समितियाँ ; और
- (3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा जारी किए
गए निर्यात सदन प्रमाणपत्रों के धारक निगम जो सरकार
द्वारा स्वामित्व प्राप्त या नियंत्रित हों।

3. इस योजना के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के विशिष्ट या सामान्य
अनुमोदन के साथ प्रदर्शनी लगाने के लिए निर्यात प्रेषण के आधार पर
किए जायेंगे। निर्यात की जाने वाली प्रत्येक मक्का, उसका कुल भार/मूल्य
और स्वर्ण वस्तु का भार और शुद्धता के ध्वारे साफ-साफ दिए जाएंगे।
उपयुक्त स्वर्ण वस्तु के अतिरिक्त जड़ित मयों के मामले में उनके विनिर्माण
में प्रयुक्त होने वाली मद का विवरण/भार/परवर/रत्न/मोती का मूल्य

और साथ ही साथ सोने में मिश्रित करने के लिए उपाय में आई प्रवा
बहुमूल्य धातु का विवरण भी दिया जाएगा।

4. निर्यात करने समय सीमा-गुणक प्राधिकारी इन बातों का पतापत्र
करने के लिए यह जांच करेगा कि निर्यात के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध
होने वाले सोने का भार और पुराना संबद्ध पंजीकृत विवरण में विनिर्दिष्ट
द्वारा दी गई घोषणा के अनुसार है या नहीं।

5. निर्यात इस शर्त के अधीन होगा कि (1) बा निर्यात करने
विदेश में बेची नहीं जाएगी वे प्रदर्शनी प्रमाण होने के 15 दिनों के भीतर
भारत में पुनः आयात की जाएगी और (2) विदेश में बेची गई भंडों
के संबंध में उनकी सोने की मात्रा प्रदर्शनी प्रमाण होने के अतिरिक्त
से अधिक 15 दिनों के भीतर प्रतिपूर्ति के रूप में आयात की जाएगी।
आयात की अनुमति देने से पहले भारत का हस्तशिल्प और हथकरघा
निर्यात निगम लि० सीमा-गुणक प्राधिकारी के साथ इन संबंध में एक
समय निष्काशित करेगा।

6. इस योजना के अधीन बेचे गए और किए गए निर्यातों के संबंध
में सोने की वस्तु के मूल्य पर कम से कम 15% और मुख्य जोड़ा आयात
कोई गए मूल्य की गणना बेचे गए और निर्यातित भंडों में सोने की वस्तु
के मूल्य के संबंध में की जाएगी उदाहरणार्थ, यदि निर्यात की जाने वाली
और बेची जाने वाली मय का अंशान्त पर्यन्त निम्नलिखित मूल्य 100 रु०
है तो प्रतिपूर्ति कीमतों पर गणना किए गए शुद्ध सोने का मूल्य 87 रु०
या इससे कम होना चाहिए। जड़ित भंडों के मामले में और सोने और
अन्य भंडों का कुल मूल्य अर्थात् मणि, रत्न, गोली और बहुमूल्य धातु
यदि कोई हो, जिसका उपयोग निर्धारित उत्पाद के निर्माण में किया
जाता है, 87/- रु० होता चाहिए।

7. विदेश में प्रतिपूर्ति के रूप में सोने की खरीद भारतीय स्टेट
बैंक या अहाँ पर प्रदर्शनी लगाई गई हो उस जगह पर उनके विधिवत
प्राधिकृत अधिकारियों की सहायता से की जाएगी। इन बातों का मुनिश्चय
किया जाएगा कि सोने को चुकाई गई कीमत वापसी हो जा निर्यातित
प्राधुषणों के लिए न्यूनतम 15% से अधिक निर्धारित मूल्य में किसी
भी समय कटौती न करें। सोने की मात्रा की गणना करने के प्रयोजन
के लिए हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम उन सीमा-गुणक प्राधिकारी
द्वारा जिसने निर्यात की स्वीकृति दी थी यथा प्रमाणित निर्धारित मय की
सोने की वस्तु के भार को निम्नलिखित में जो जो उपयुक्त हो उनसे
गुणा करेगा :—

- (1) यदि घोषणा फॉरेट्स में है तो उनके फॉरेट्स को 24 में विभा-
जित करके ; अथवा
- (2) यदि घोषणा शुद्धता में है तो उनकी शुद्धता/शुद्ध सोने के इन
प्रकार परिगणित आंकड़े एक ग्राम के 10 वें भाग के लगभग
तक गिने जाएंगे। किसी भी प्रकार के अपत्यय भाग के लिए
कोई छूट नहीं दी जाएगी।

8. हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम द्वारा प्रतिपूर्ति के रूप
में भारत में आयातित सोना भारत सरकार की टंकाल में जमा किया
जाएगा। जो बाद में पात्र सहयोगियों को रिद्धा किया जाएगा। हस्तशिल्प
एवं हथकरघा निर्यात निगम का बम्बई या कलकत्ता में भारत सरकार की
टंकाल में आयातित सोने को जमी दिन जमा करना पड़ेगा जिस दिन
सीमा शुल्क के साध्यम से सोने की निर्याती हुई है या उसके अगले दिन
जमा करना पड़ेगा, और टंकाल के प्राधिकारियों में स्वीकृति प्राप्त करनी
होगी। बुकि टंकाल की सुविधाएं केवल बम्बई और कलकत्ता में ही
उपलब्ध हैं, इसलिए इस योजना के अंतर्गत आयातित सोना केवल इन्हीं
को स्थानों पर अयत करने के लिए अनुमति दिया जाता जाएगा।
आयातित सोना टंकाल द्वारा 995 शुद्धता की मानक छड़ों में परिवर्तित
किया जाएगा। हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम निर्यातित भंडों
में प्रयुक्त और विदेश में प्रदर्शनियों में बेचे गए सोने में प्रयुक्त सोने के

लिए प्रतिपूर्ति के रूप में उपयुक्त किए जाने वाले सोने के लिए टंकाल
से स्वीकृति सोने की मात्रा प्राप्त करेगी।

9. इस योजना के अंतर्गत भंडों का निर्यात और किसी भी योजना
के अंतर्गत यथा निर्धारित सोने को भारत की प्रतिपूर्ति को छोड़कर किसी
भी अन्य प्रतिपूर्ति/साधनों के लिए प्राप्त नहीं होगी।

10. हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम किए गए निर्यात, विदेश
में बेचा गया मात्र, पुनः आयातित मात्र और विदेश में खरीदे गए और
भारत में आयात किए गए सोने का पूरा रिकार्ड रखेंगी। प्रत्येक प्रदर्शनी
की गमतीया पर हस्तशिल्प एवं हथकरघा निर्यात निगम उपर्युक्त अनुसार
पूरा रिकार्ड देने हुए एक निर्यात भारतीय निर्यात बैंक, वाणिज्य मंत्रालय,
मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात और केंद्रीय आबकारी एवं सीमा शुल्क के
अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा।

11. स्वर्ण नियंत्रण द्विनिबन्धन यथावत रूप से लागू होंगे।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 33-ITC(PN)/82

New Delhi, the 29th June, 1982

Subject : Export of gold ornaments/articles by
Handicrafts and Handloom Export Corpo-
ration, for exhibitions abroad.

File No. 6/182/81-EPC.—The scheme for export
of gold ornaments and articles for sale at the exhibi-
tions approved by the Ministry of Commerce and
organised in Middle East Countries (Arabian and Gulf
countries) by the Handicrafts and Handloom Export
Corporation of India Ltd., New Delhi, during the
year 1982-83, and for import of gold as replenishment,
is given in the Annexure to this Public Notice.

ROMA MAZUMDAR, Chief Controller
of Imports & Exports

ANNEXURE TO PUBLIC NOTICE NO. 33-ITC
(PN)82 dated the 29-6-1982

Scheme for export of gold ornaments and articles
for sale at approved exhibitions to be held
in Middle East countries (Arabian and Gulf
countries) organised by Handicrafts and
Handloom Export Corporation of India
Limited, during 1982-83.

Under this Scheme, export of gold ornaments and
articles (Other than coins) as defined in the Gold
(Control) Act, 1968, will alone be allowed. The items
for export should be made of gold of purity not less
than 0.5833 fineness which corresponds to 14 carats.

2. The export will be made by HHEC or its asso-
ciates. The eligible associates will be the following
categories of persons holding valid dealer's licence
under the Gold Control law :—

- (i) Registered Exporters having valid Registra-
tion Certificates issued to them by the Gem
and Jewellery Export Promotion Council ;

- (ii) Cooperative Societies of certified goldsmiths ; and
- (iii) Corporations owned or controlled by Government holding Export House Certificates issued by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

3. Under this scheme, exports will be made on consignment basis for holding exhibitions with the specific or general approval of the Reserve Bank of India. The description of each item exported, its total weight/value, and the weight and purity of its gold content, shall be clearly given. In the case of studded items, in addition to gold content as above, the description/weight/value of the stones/gems/pearls used in their manufacture, as well as the description/weight/value of any other precious metals used for alloying gold shall also be given.

4. At the time of export, the customs authority will check to verify that the weight and purity of gold used in each item for export is as per the exporter's declaration in the relevant shipping bill.

5. The export shall be subject to the conditions that (i) the items exported which are not sold abroad shall be re-imported into India within 15 days of the close of the exhibition, and (ii) in respect of the items sold abroad, the gold content thereof shall be imported as replenishment not later than 15 days of the close of the exhibition. The Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited shall execute a bond to this effect with the Customs Authority before export is allowed.

6. A minimum value added of 15 per cent over the value of the gold content will be insisted upon in respect of the goods exported and sold under the scheme. The value added will be calculated with reference to the value of the gold content in the items exported and sold. For example, if the fob value of the item exported and sold is Rs. 100, the value of gold to be replenished shall be Rs. 87 or less. In the case of studded items, the total value of the gold and other items, namely, stones, gems, pearls and other precious metals, if any, used in the manufacture of the item exported and sold shall be Rs. 87 or less.

7. Purchase of gold as replenishment will be made abroad with the assistance of the State Bank of India or their duly authorised agent at the place where the exhibition is held. It will be ensured that the price of gold

paid is such that it does not at any time erode the prescribed minimum value added of 15 per cent for the jewellery exported. For the purpose of calculating the quantity of gold, the HHEC will multiply the weight of the gold content of the exported item, as certified by the Customs authority which allowed the export, by the following whichever is appropriate :—

- (i) Their caratage divided by 24, if the declaration is in carats ; and
- (ii) Their fineness if the declaration is in fineness. The figure of pure gold so calculated will be rounded to the nearest 10th of a gramme. No allowance will be allowed for any wastage.

8. The gold imported into India as replenishment by HHEC will be deposited with the Government of India Mint for subsequent release to eligible associates. The HHEC shall be required to deposit the imported gold in Government of India Mint at Bombay or Calcutta either on the same day on which the gold is cleared through the customs, or, at the latest, by the following day, and to obtain a proper receipt from the Mint authorities. Since Mint facilities exist only at Bombay and Calcutta, the gold imported under this scheme should be allowed to be imported only at these two places. The imported gold will be converted by the Mint into standard bars of .995 purity. The HHEC will obtain the requisite quantity of gold from the Mint for being used as replenishment for the gold used in the items exported and sold in the exhibitions abroad.

9. Exports and sales of items under this scheme shall not qualify for any other replenishment/benefit except to the extent of the replenishment of gold content as laid down in this scheme.

10. The HHEC will maintain complete record of exports made, goods sold abroad, goods re-imported and the gold purchased abroad and imported into India. At the end of each exhibition, the HHEC shall submit report to the Reserve Bank of India, the Ministry of Commerce, the Chief Controller of Imports and Exports and the Jurisdictional Collector of Central Excise and Customs, giving complete account as aforesaid.

11. The Gold Control regulations will apply as appropriate.

